केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

14 दिसंबर 2025

रविवार

एक दिन में हजारों मुकदमों का समाधान लोक अदालत से मिली त्वरित न्याय

2

एक नजर

गुजरात के कच्छ में 3.9 तीव्रता का भूकंप

गुजरात । गुजरात के कच्छ जिले में शनिवार दोपहर 3.9 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च के अनुसार, भूकंप दोपहर 2:47 बजे आया, जिसका केंद्र गढ़शिशा से करीब 13 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व दिशा में था। जिला प्रशासन ने बताया कि इस भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। यह इस महीने कच्छ में 3 से अधिक तीव्रता का पांचवां झटका है। इससे पहले शुक्रवार को 3.3 और बुधवार को 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था।

गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तानी संपर्कों की जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी: हिमंत

असम । असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के कथित पाकिस्तानी संपर्कों की जांच अब किसी केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी। राज्य सरकार ने इन आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था, जिसने 10 सितंबर को अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी थी। एक कार्यक्रम के दौरान सरमा ने कहा, 'अब जब एसआईटी ने जुबीन गर्ग की मौत से जुड़े मामले में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है, हम गौरव गोगोई के मामले की ओर बढ़ेंगे।

पश्चिम बंगाल के कालिम्पोंग में कार खाई में गिरने से 2 की मौत, 8 घायल

कोलकाता। बंगाल के कालिम्पोंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-10 पर शुक्रवार शाम एक कार खाई में गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। हादसा बिरिक डारा के पास हुआ, जो भूस्खलन के लिए संवेदनशील क्षेत्र है। पुलिस ने शनिवार को जानकारी दी। सिलीगुड़ी जा रही कार का चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार करीब 500 फीट गहरी खाई में जा गिरी। कार सिक्किम के गंगटोक से आ रही थी। स्थानीय लोग, राष्ट्रीय राजमार्ग और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के कर्मचारी और पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

हर साल 2 लाख लोग छोड़ रहे भारत : साल में 9 लाख भारतीयों ने ली विदेशी नागरिकता

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है, लेकिन हाल के आंकड़े एक अलग ही तस्वीर दिखा रहे हैं. हर साल लाखों भारतीय पढ़ाई, नौकरी और बेहतर जीवन की उम्मीद में विदेश का रुख कर रहे हैं. बात सिर्फ विदेश जाने की नहीं, बल्कि भारतीय नागरिकता छोड़ने की है. संसद में सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़े बताते हैं कि बीते कुछ वर्षों में यह ट्रेंड तेज हुआ है. सवाल उठता है कि आखिर लोग अपने ही देश से दूरी क्यों बना रहे हैं? क्या यह मजबूरी है या बेहतर अवसरों की तलाश? इन आंकड़ों ने नीति-निमार्ताओं से लेकर आम लोगों तक को सोचने पर मजबूर कर दिया है.सरकार ने राज्यसभा में बताया कि पिछले पांच वर्षों में करीब 8,96,843 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है. केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह के मुताबिक, 2022 के बाद इस आंकड़े में तेज बढ़ोतरी दिखी है. साल 2020 में 85,256 लोगों ने नागरिकता छोड़ी, 2021 में यह संख्या 1.63 लाख रही. वहीं 2022 में 2.25 लाख, 2023 में 2.16 लाख और 2024 में 2.06 लाख भारतीयों ने नागरिकता त्याग दी. यह साफ दिखाता है कि हर साल औसतन करीब 2 लाख लोग भारत से बाहर बसने का फैसला कर रहे हैं।

2011 से 2019 के बीच भी रहा पलायन का दौर

अगर थोड़ा पीछे जाएं तो 2011 से 2019 के बीच भी 11.89 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी थी. 2011 में 1.22 लाख, 2012 में 1.20 लाख और 2013 में 1.31 लाख लोग देश से बाहर गए. इसके बाद भी यह सिलसिला थमा नहीं. 2016 में 1.41 लाख और 2019 में 1.44 लाख लोगों ने नागरिकता छोड़ी. यानी यह समस्या नई नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इसकी रफ्तार जरूर बढ़ी है. विशेषज्ञ मानते हैं कि शिक्षा, रोजगार, टैक्स सिस्टम और जीवनशैली जैसे कारण इसकी बड़ी वजह हैं।

विदेश में फंसे भारतीय और फर्जी जॉब ऑफर

सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि सोशल मीडिया के जरिए झूठे जॉब ऑफर देकर भारतीयों को फंसाने वाले गिरोह सक्रिय हैं. विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ऐसे मामलों में अब तक 6700 भारतीयों को बचाया गया है. इन लोगों से साइबर क्राइम और फर्जी स्कैम सेंटर में जबरन काम कराया जा रहा था. खासतौर पर दक्षिण एशियाई देशों में नौकरी का लालच देकर युवाओं को निशाना बनाया गया. सरकार ने इस खतरे को गंभीर माना है और एजेंसियों को सतर्क किया गया ह।

विदेशों से आई 16 हजार से ज्यादा शिकायतें

2024-25 में विदेशों में रह रहे भारतीयों से जुड़ी 16,127 शिकायतें विदेश मंत्रालय को मिलीं. इनमें से 11,195 शिकायतें ह्यमददह्न पोर्टल और 4,932 शिकायतें सीपीग्राम्स के जरिए दर्ज हुईं. सबसे ज्यादा संकट के मामले सऊदी अरब से आए, जहां 3,049 शिकायतें दर्ज हुईं. इसके बाद यूएई, मलेशिया, अमेरिका, ओमान, कुवैत और कनाडा का नंबर रहा. यह दिखाता है कि विदेश में रहना जितना आकर्षक लगता है, उतना आसान नहीं होता।

प्रवासी भारतीयों के लिए सरकार का सुरक्षा तंत्र

सरकार ने प्रवासी भारतीयों की मदद के लिए एक मजबूत बहु-स्तरीय तंत्र तैयार किया है. इसमें 24.7 हेल्पलाइन, वॉक-इन सुविधा, सोशल मीडिया सहायता और बहुभाषी सपोर्ट शामिल है. दूतावास सीधे संवाद, नियोक्ताओं से बातचीत और विदेशी सरकारों से समन्वय कर मामलों को सुलझाते हैं. जरूरत पड़ने पर इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर फंड से कानूनी सहायता भी दी जाती है. सरकार का कहना है कि प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

यूडीएफ को हुआ फायदा, एलडीएफ को लगा झटका

तिरुवनंतपुरम नगर निगम में लहराया भगवा

एजेंसी। नई दिल्ली

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में नगर निकाय चुनाव में भाजपा नीत राजग ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ ही राजग ने माकपा नीत एलडीएफ के 45 साल के शासन का अंत कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि इस जीत से 2026 के विधानसभा चुनावों में, खासकर राजधानी में, भाजपा की स्थिति मजबूत होगी। वहीं, इस जीत ने कांग्रेस को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है, क्योंकि, भाजपा ने शशि थरूर के गढ़ में अपना परचम लहरा दिया है। शशि थरूर तिरुवनंतपुरम से कई बार सांसद रह चुके हैं। शशि थरूर पार्टी लाइन से हटकर लगातार बयान दे रहे थे। बता दें कि भाजपा की यह जीत वाम दल से अधिक कांग्रेस पार्टी को चुभेगी। क्योंकि, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कई मौकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काम की सराहना की है। थरूर ने खासकर विदेश नीति में पीएम मोदी की ऊर्जा और काम करने की रफ्तार की तारीफ की है। 2014 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद, थरूर ने पीएम मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को भी अच्छा बताया था। पीएम मोदी के कई कामों को थरूर ने सकारात्मक कहा, जिससे कांग्रेस पार्टी में थोड़ी नाराजगी भी हुई थी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता शशि थरूर ने हाल ही में इमरजेंसी को लेकर बात की थी। इसमें उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेटे संजय गांधी की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल में अनुशासन और व्यवस्था के लिए किए गए प्रयास क्रूरता में बदल दिए गए। जिन्हें उचित नहीं ठहराया जा सकता। थरूर ने आपातकाल को देश का 'अंधेरा अध्याय' करार दिया है।

2026 विधानसभा चुनाव से पहले सियासी संकेत

स्थानीय निकाय चुनावों को 2026 के विधानसभा चुनावों का सेमीफाइनल माना जा रहा है। ऐसे में यूडीएफ की यह जीत उसके लिए बड़ा संबल मानी जा रही है। चुनाव नतीजों के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवनंतपुरम में एनडीए की जीत को केरल की राजनीति का टर्निंग प्वाइंट करार दिया।

तिरुवनंतपुरम में बदला सियासी नक्शा

भाजपा ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में 50 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरते हुए सीपीआई (एम) के दशकों पुराने वर्चस्व को खत्म कर दिया। इस जीत के साथ केरल में भाजपा के पहले मेयर बनने की संभावना भी प्रबल हो गई है। राज्य की पहली महिला आईपीएस अधिकारी रह चुकीं 64 वर्षीय आर. श्रीलेखा का नाम मेयर पद के लिए चर्चा में है।

लोकतंत्र की खूबसूरती: शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर की टिप्पणी भी चर्चा में रही। उन्होंने कहा कि उन्होंने 45 साल की एलडीएफ सरकार से बदलाव के लिए प्रचार किया था, लेकिन मतदाताओं ने उनके संसदीय क्षेत्र में बदलाव के लिए भाजपा को चुना। थरूर ने कहा, ह्ययही लोकतंत्र की खूबसूरती है। जनता का फैसला, चाहे यूडीएफ के पक्ष में हो या मेरे क्षेत्र में भाजपा के लिए, स्वीकार किया जाना चाहिए।

भारत के लिए जीने का समय, मरने का नहीं : भागवत

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (फ्तर) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि देश को हर चीज से ऊपर रखना चाहिए। यह भारत के लिए जीने का समय है, मरने का नहीं। हमारे देश में हमारे अपने देश की ही भक्ति होनी चाहिए। यहां 'तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े होंगे' जैसी भाषा नहीं चलेगी भागवत, अंडमान में दामोदर सावरकर के गीत 'सागर प्राण तलमाला' की 115वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित समारोह में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि आज समाज में छोटी-छोटी बातों पर टकराव दिखता है कि हम कैसा सोचते हैं। एक महान देश बनाने के लिए, हमें सावरकर के संदेश को याद करना होगा। भागवत ने यह भी कहा कि सावरकर जी ने कभी नहीं कहा कि वह महाराष्ट्र से हैं या किसी खास जाति के हैं। उन्होंने हमेशा एक राष्ट्र की सोच सिखाई। हमें अपने देश को ऐसे सभी टकरावों से ऊपर रखना होगा। हमें यह मानना होगा कि हम सब भारत हैं। इस दौरान द्वीप समूह के बेओदनाबाद में विनायक दामोदर सावरकर की मूर्ति का अनावरण किया गया। इस कार्यक्रम में भागवत के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री आशीष शेलार, पद्मश्री हृदयनाथ मंगेशकर, एक्टर रणदीप हुड्डा और शरद पोंक्षे, डॉ. विक्रम संपत भी मौजूद थे। भागवत शनिवार को श्री विजया पुरम में नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन के तहत दोपहर करीब 3.30 बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे।इवेंट में पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के प्रयासों के लिए वीडी सावरकर को वह पहचान नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। उन्होंने अपने समय के हिंदू समाज में प्रचलित बुराइयों के खिलाफ साहसपूर्वक लड़ाई लड़ी और समुदाय के विरोध का सामना करने के बावजूद आगे बढ़ते रहे।

संसद पर हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि: शीर्ष नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का लिया संकल्प

नयी दिल्ली। संसद पर वर्ष 2001 में आज ही के दिन किये गये आतंकवादी हमले की 24 वीं बरसी पर शनिवार को यहां देश के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले का मुकाबला करते हुए प्राण न्योच्छावर करने वाले सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संकल्प लिया। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद भवन परिसर में शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, अनेक केन्द्रीय मंत्री, सांसद, पूर्व सांसद और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह, राज्यसभा के महासचिव पी. सी. मोदी तथा शहीदों के परिजनों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा , ह्व मैं देश के साथ मिलकर उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिन्होंने हमारी संसद की पवित्रता की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। उनका अटूट साहस और सर्वोच्च बलिदान आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़े रहने के हमारे राष्ट्र के संकल्प की एक स्थायी याद दिलाता है।

जमीन नहीं तो वर्षों तक कचरा कहां डंप हुआ : रवि उज्ज्वल कुशवाहा

■ डुमरांव नगर परिषद पर कचरा घोटाले का साया, दो साल के कार्यों की जांच की उठी मांग, 11 करोड़ 4 लाख की कचरा डंपिंग राशि पर जदयू नेता ने उठाया सवाल

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। कचरा प्रबंधन के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद शहर में फैली गंदगी और डंपिंग को लेकर जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने नगर परिषद और संबंधित एनजीओ के पिछले दो वर्षों के कार्यों की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने कहा कि नगर परिषद द्वारा वर्षों से कचरा डंपिंग के नाम पर हर साल लगभग 11 करोड़ 4 लाख रुपये एनजीओ को दिए जा रहे हैं, लेकिन यह राशि वास्तव में कहां और कैसे खर्च हुई, इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब नगर परिषद के पास खुद की जमीन ही नहीं थी, तो इतने वर्षों तक शहर का कचरा आखिर कहां डंप किया जाता रहा। उन्होंने कहा कि जैसे ही कचरा डंपिंग को लेकर सवाल उठाए गए, अचानक रविवार जैसे अवकाश के दिन भी सफाई कार्य शुरू हो गया। अब आनन-फानन में बैठक कर 5 एकड़ भूमि लीज पर लेने का फरमान जारी किया जा रहा है। यह साफ संकेत है कि अब तक सब कुछ कागजों में ही चलता रहा और जनता को गुमराह किया गया। रवि उज्ज्वल ने आरोप लगाया कि नगर परिषद के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि जनता को जवाब देने से बच रहे हैं। शहरवासियों को यह बताया जाना चाहिए कि अब तक डंपिंग स्थल कहां था, वहां कचरा डाला गया या सिर्फ बिल बनाकर भुगतान किया गया। अगर वास्तव में डंपिंग होती रही है तो उसके दस्तावेज, फोटो और स्थल की जानकारी सार्वजनिक की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल नगर परिषद ही नहीं, बल्कि कचरा उठाव और डंपिंग से जुड़े एनजीओ की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। पिछले दो वर्षों में किए गए कार्यों, भुगतान, वाहन संचालन, मजदूरों की संख्या और वास्तविक कार्यस्थल की स्वतंत्र एजेंसी से जांच होनी चाहिए। जदयू नेता ने चेतावनी दी कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच नहीं हुई और दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो यह मामला सड़क से सदन तक उठाया जाएगा। डुमरांव की जनता अब जवाब चाहती है, न कि कागजी योजनाएं और बाद में लिए गए फैसले। नगर परिषद की चुप्पी और सवालों से बचने की कोशिश ने संदेह को और गहरा कर दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन पारदर्शिता दिखाता है या कचरा डंपिंग का यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाता है।

एक दिन में हजारों मुकदमों का समाधान लोक अदालत से मिली त्वरित न्याय

■ बक्सर में वर्ष 2025 की चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत में 1673 मामलों का निपटारा, 4 करोड़ से अधिक की समझौता राशि तय

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में न्याय को सरल, सुलभ और त्वरित बनाने की दिशा में एक अहम पहल के रूप में शनिवार 13 दिसंबर 2025 को वर्ष की चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के तत्वावधान में आयोजित इस लोक अदालत में कुल 1673 मामलों का सुलह-समझौते के आधार पर निपटारा किया गया। इन मामलों में कुल 04 करोड़ 02 लाख 37 हजार 406 रुपये की समझौता राशि निर्धारित की गई, जो लोक अदालत की प्रभावशीलता को दर्शार्ता है।

इस अवसर पर लोक अदालत के संचालन के लिए कुल 13 बेंच गठित की गई थीं, जिनमें विभिन्न प्रकार के दीवानी, आपराधिक, बैंक रिकवरी, यातायात, विद्युत, वैवाहिक एवं अन्य वादों की सुनवाई की गई। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, हर्षित सिंह ने अन्य न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दीप प्रज्वलन कर किया।

अपने उद्घाटन संबोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हर्षित सिंह ने कहा कि लोक अदालत न्याय पाने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है, जहां एक ही दिन में वर्षों से लंबित मुकदमों का समाधान संभव हो पाता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में न तो कोई हारता है और न ही कोई जीतता है, बल्कि दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान होता है। इससे न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि आपसी रिश्ते भी सुरक्षित रहते हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव, अवर न्यायाधीश नेहा दयाल ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन एक जनहितकारी अभियान के रूप में किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत ह्लजनता की अदालतह्व है, जहां पक्षकारों की सहमति से ही मामलों का निपटारा किया जाता है। सुलह होने के बाद जो अवार्ड बनाया जाता है, उसकी प्रति दोनों पक्षों को दी जाती है और एक प्रति न्यायालय के अभिलेख में सुरक्षित रखी जाती है।

लोक अदालत में विभिन्न श्रेणियों के मामलों का निपटारा किया गया। इनमें बैंकों से संबंधित 575 वाद शामिल रहे, जिनमें 2 करोड़ 57 लाख 70 हजार 82 रुपये की समझौता राशि तय हुई। इसके अलावा यातायात से जुड़े 647 मामले, आपराधिक श्रेणी के 134 मामले, विद्युत से संबंधित 240 मामले, वैवाहिक श्रेणी का एक मामला, जिला परिवहन पदाधिकारी के 6 मामले तथा एनआई एक्ट के 2 मामलों का भी निपटारा किया गया। विभिन्न बैंकों के रिकवरी से जुड़े 68 अन्य मामलों में 60 लाख 58 हजार 90 रुपये की समझौता राशि पर सहमति बनी।

लोक अदालत के साथ-साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से न्यायालय परिसर में एक नेत्र जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। चिकित्सकों की टीम ने आम जनमानस, वादकारियों एवं पक्षकारों की आंखों की जांच की और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया। लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे न्याय के साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ा सराहनीय कदम बताया।

कार्यक्रम में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीशों, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, विभिन्न अवर न्यायाधीशों, पैनल अधिवक्ताओं, पारा विधिक स्वयंसेवकों तथा न्यायालय कर्मियों की सक्रिय सहभागिता रही। सभी के संयुक्त प्रयास से लोक अदालत को सफल बनाया गया।

बक्सर में आयोजित यह राष्ट्रीय लोक अदालत न केवल लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने में सफल रही, बल्कि आम लोगों को यह भरोसा भी दिलाने में कारगर साबित हुई कि न्याय सुलभ, शीघ्र और सौहार्दपूर्ण तरीके से भी मिल सकता है।

मौसम की मार के बीच किसानों को मिला मार्गदर्शन, रबी गोष्ठी में वैज्ञानिक खेती पर जोर

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन के प्रांगण में शनिवार को आयोजित रबी किसान गोष्ठी केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि मौसम की अनिश्चितता से जूझ रहे किसानों के लिए दिशा तय करने का मंच बनकर उभरी। गोष्ठी में खेती को घाटे से उबारने और उत्पादन बनाए रखने के लिए वैज्ञानिक व व्यावहारिक उपायों पर खुलकर चर्चा हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन बीस सूत्री अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह एवं बीडीसी अलीशेर शाह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षता कृषि समन्वयक रामनिवास यादव ने की, जबकि संचालन एटीएम योगेश मिश्रा ने किया। बीस सूत्री अध्यक्ष फुटूचन्द सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि इस वर्ष समय पर बीज वितरण हुआ है, लेकिन मौसम की मार ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर दलहन फसलों की पैदावार पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने किसानों से मौसम के अनुकूल खेती अपनाने और हिम्मत न हारने की अपील की। कृषि समन्वयक संजय कुमार सिंह ने सरकार की योजनाओं को रेखांकित करते हुए बताया कि बड़े और छोटे कृषि यंत्र किसानों को ऑनलाइन आवेदन और लॉटरी प्रक्रिया के जरिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी समस्या पर किसान सीधे विभाग से संपर्क कर सकते हैं। गोष्ठी में पराली जलाने पर विशेष चेतावनी दी गई। कृषि समन्वयक धनंजय राय ने बताया कि पराली जलाने से मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं, जिससे उपज घटती है। उन्होंने बीजोपचार, जैविक विधि, राइजोबियम कल्चर के उपयोग और रासायनिक दवाओं से बचने की सलाह दी। वहीं दिलीप कुमार ने गेहूं में खरपतवार नियंत्रण के लिए सही समय और दवाओं की जानकारी दी। गोष्ठी में बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति यह दशार्ती है कि बदलते मौसम में अब किसान परंपरागत नहीं, बल्कि वैज्ञानिक खेती की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। यह आयोजन किसानों के लिए सिर्फ जानकारी नहीं, बल्कि संकट के समय संबल बनकर सामने आया।

जदयू कार्यकर्ताओं ने जिले में चलाया पार्टी का सदस्यता अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

सदस्यता अभियान को लेकर जिले में जदयू कार्यकताओं व नेताओं में काफी उत्साह देखा गया। सभी एकजुट होकर सुबह दस बजे मार्केट में निकल पड़े। मालूम हो कि पूरे राज्य में 13 दिसंबर 2023 से जदयू का सदस्य बनाओं अभियान शुरू किया गया है। डुमरांव शहर में वरिष्ठ नेता भरत मिश्रा, प्रखंड अध्यक्ष गोपाल प्रसाद गुप्ता, मिंटू हाशमी, संत गोंड, बिहारी पाल, विमलेश सिंह के साथ अन्य कार्यकर्ता भी इस अभियान में मौजूद रहे। शनिवार को चलाए गए इस अभियान में कुल 500 लोगों को जदयू की सदस्यता दिलाई गई। इस अभियान में शामिल कार्यकर्ता नगर के विभिन्न मोहल्लों में पहुंच लोगों मुख्यमंत्री के कार्यों और योजनाओं की जानकारी देते हुए उनसे योजनाओं के लाभी के संबंध में पूछा, फिर उनसे जदयू पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के लिये आग्रह किया। कार्यकताओं की बात सुनते ही लोग सहर्ष सदस्यता बनने के लिये राजी हो जाते थे। इस अभियान की शुरूआत नया थाना से शुरू किया गया जो पुराना थाना रोड, लाला टोली रोड, चारमोटिया ईनार, शक्तिद्वार, जंगलबाजार, राजगढ़ चौक, हाथीखाना रोड, ठठेरी बाजार, छठिया पोखरा सहित अन्य मोहल्लों में होते हुए राजगढ़ चौक पर जाकर समाप्त हुआ।

राजपुर पावर सब स्टेशन में भीषण आग, बड़ा हादसा टला

■ 10 एमबीए ट्रांसफॉर्मर जलकर खाक, कई इलाकों की बिजली बाधित

केटी न्यूज/डुमरांव

राजपुर पावर सब स्टेशन में शनिवार की सुबह करीब 9.30 बजे उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब 10 एमबीए क्षमता वाले ट्रांसफॉर्मर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर में धुएं और लपटों का गुबार दिखाई देने लगा। इस घटना में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है, जबकि समय रहते नियंत्रण से एक बड़ा हादसा टल गया।

ट्रांसफॉर्मर में मौजूद तेल के कारण आग बुझाने में काफी कठिनाई हुई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन बड़ी और एक छोटी गाड़ी मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इसी बीच चौसा थर्मल पावर प्लांट में तैनात सीआईएसएफ की टीम भी मेकेनिकल फोम के साथ घटनास्थल पर पहुंची, जिससे आग बुझाने में तेजी आई।

आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पावर सब स्टेशन से महज 50 मीटर की दूरी पर स्थित पेट्रोल पंप पर भी दहशत का माहौल बन गया। पेट्रोल पंप कर्मियों ने एहतियातन पानी का छिड़काव और अन्य सुरक्षा उपाय शुरू कर दिए। आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और कई लोग मोबाइल से वीडियो व तस्वीरें बनाते नजर आए।

प्रत्यक्षदर्शी बिजली विभाग के ऑपरेटर छठु कुमार ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर से चिंगारी निकलते ही कार्यालय में उपलब्ध छोटे अग्निशमन यंत्र से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन आग तेजी से फैल गई। इसके बाद तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनोद कुमार यादव के निर्देश पर जिला सहायक अग्निशमन पदाधिकारी सत्यदेव सिंह के नेतृत्व में टीम ने हालात को संभाला। सत्यदेव सिंह ने बताया कि पावर ग्रिड के चारों ओर हाइडेंट और ट्रांसफॉर्मरों के बीच कंक्रीट की दीवार होना अनिवार्य है, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

घटनास्थल पर पहुंचे कार्यपालक अभियंता सूर्य प्रकाश सिंह ने बताया कि आग में 10 एमबीए ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह जल गया है, जबकि 15 एमबीए ट्रांसफॉर्मर सुरक्षित है। आरा एमआरटी की टीम नुकसान का आकलन करेगी और देर शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल राजपुर, बन्नी और कृषि फीडर की बिजली आपूर्ति बाधित है, जिससे दूरसंचार सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

केसठ में रबी फसल प्रबंधन को लेकर किसान गोष्ठी आयोजित, पराली न जलाने की अपील

केटी न्यूज/केसठ

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण बक्सर के तत्वावधान में शनिवार को केसठ प्रखंड स्थित स्थानीय ई-किसान भवन के सभागार में रबी मौसम फसल प्रबंधन को लेकर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम वर्मा ने की, जबकि संचालन प्रखंड कृषि समन्वयक हरिश्चंद्र पासवान एवं प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉ. प्रफुल्ल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में लेखापाल प्रफुल्ल कुमार, किसान सलाहकार अमरेंद्र प्रसाद, रितेश कुमार, विजय कुमार सहित अन्य कृषि कर्मी उपस्थित रहे। गोष्ठी में बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला किसानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी शिवम वर्मा ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने फसल अवशेष प्रबंधन पर विशेष चर्चा करते हुए किसानों से पराली न जलाने की अपील की। बताया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है, मिट्टी के पोषक तत्व नष्ट होते हैं, सूक्ष्मजीवों का विनाश होता है तथा भूमि की उर्वरता घटती है, जिससे अगली फसल की पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ता है। यह पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए बेहद हानिकारक है। गोष्ठी में गेहूं-धान फसल चक्र के साथ उद्यानिकी फसलों जैसे ड्रैगन फ्रूट, अमरूद, केला आदि की खेती पर भी जानकारी दी गई। साथ ही गेहूं फसल उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से किसानों को अवगत कराया गया।

किसानों से फार्मर रजिस्ट्री कराने का आग्रह करते हुए बताया गया कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ लेने वाले पुराने एवं नए सभी किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। बिना रजिस्ट्री के किसान योजना के लाभ से वंचित रह सकते हैं। इसके लिए पंचायत के हल्का कर्मचारी, जन सेवा केंद्र या कृषि विभाग कार्यालय में जाकर पंजीकरण कराने की सलाह दी गई। इसके अलावा यंत्रीकरण योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। गोष्ठी के अंत में किसानों ने कृषि अधिकारियों से सवाल-जवाब कर अपनी समस्याएं रखीं। मौके पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

कोहरे का कहर : नया भोजपुर में सुबह-सुबह चार टक्करें, फोरलेन बना मौत का डगर

- **आरा-बक्सर फोरलेन पर लो विजिबिलिटी ने छीनी एक चालक की जान, कई घायल, कहीं कटर से निकला शव तो कहीं लोगों ने बचाई जान**

केटी न्यूज/डुमरांव

शनिवार की सुबह घने कुहासे ने नया भोजपुर थाना क्षेत्र में सड़क यातायात को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। अचानक बेहद कम दृश्यता (लो विजिबिलिटी) के कारण आरा-बक्सर फोरलेन और आसपास के मार्गों पर एक के बाद एक चार सड़क हादसे हो गए। इन घटनाओं में एक ट्रक चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि अन्य हादसों में कई चालक गंभीर रूप से घायल हुए या बाल-बाल बच गए। लगातार दुर्घटनाओं से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सबसे भयावह हादसा नया भोजपुर थाना क्षेत्र के प्रतापसागर गांव के समीप आरा-बक्सर फोरलेन पर अहले सुबह करीब सात बजे हुआ। घने कोहरे के कारण कम दृश्यता में एक डीसीएम ट्रक आगे चल रहे बालू लदे ट्रेलर से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डीसीएम का केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। चालक का शव केबिन में फंसा होने के कारण कटर की सहायता से दरवाजा काटकर बाहर निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान ट्रक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर की जा रही है। हादसे के बाद बालू लदे ट्रेलर का चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है। दूसरी दुर्घटना नावाडेरा के समीप सुबह करीब छह बजे हुई, जहां दो ट्रेलरों की आपस में टक्कर हो गई। पीछे से टकराए ट्रेलर का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घने कोहरे में तेज रफ्तार हादसे की बड़ी वजह बनी। तीसरी घटना पुराना भोजपुर के सिमरी रोड पर सामने आई, जहां गिट्टी और डस्ट से लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। सड़क चौड़ीकरण कार्य और सिंगल लेन मार्ग के कारण चालक को सही अंदाजा नहीं मिल सका।

एक नजर

नावानगर में प्रखंड स्तरीय रबी किसान गोष्ठी का आयोजन

नावानगर। स्थानीय प्रखंड स्थित कृषि कार्यालय परिसर में शनिवार को प्रखंड स्तरीय रबी किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कृषि समन्वयक शंकर दयाल यादव एवं पंचायत से आए जागरूक किसानों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। गोष्ठी में सबसे पहले रबी फसलों के समुचित प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को रबी फसल में लगने वाले प्रमुख रोग-व्याधियों की पहचान, उनके रोकथाम के उपाय, गेहूं के बीज के उपचार (टीकाकरण) की विधि तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसके साथ ही रबी फसलों से जुड़ी सामान्य समस्याओं और उनके समाधान पर भी विशेषज्ञों ने प्रकाश डाला। कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए किसानों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। विभागीय निदेशानुसार इस कार्यक्रम का आयोजन सहायक तकनीकी प्रबंधक अंकुर राज द्वारा किया गया। गोष्ठी में धान एवं गेहूं के अलावा बागवानी फसलों की खेती को अपनाने, विविधीकरण के माध्यम से खेती की आमदनी बढ़ाने तथा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। मौके पर प्रखंड लेखापाल राम नारायण त्रिवेदी, कार्यपालक सहायक मोहम्मद इबरार, किसान सलाहकार महेश दत्त, अशोक कुमार, रणजीत कुमार, हरे कृष्ण गुप्ता, मुन्ना मंसूरी, अमित कुमार, वेद प्रकाश, नंद किशोर सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। किसानों ने गोष्ठी को उपयोगी बताते हुए ऐसी जानकारीपरक बैठकों को नियमित रूप से आयोजित करने की मांग की।

जिला नियोजनालय में 16 दिसंबर को एकदिवसीय रोजगार शिविर, 30 पदों पर चयन

बक्सर। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी, बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला नियोजनालय, बक्सर द्वारा 16 दिसंबर को एकदिवसीय रोजगार शिविर (जॉब कैम्प) का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर संयुक्त श्रम भवन, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) फील्ड, बक्सर स्थित जिला नियोजनालय परिसर में आयोजित होगा। इस रोजगार शिविर में पटना स्थित फ्लाईवाइड एविएशन अकादमी द्वारा विमान परिचारिका (एयर होस्टेस) के पदों पर केवल महिला अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। कुल 30 पदों के लिए भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को 17 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 से 26 वर्ष निर्धारित की गई है। शैक्षणिक योग्यता के रूप में मैट्रिक या इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। चयन के उपरांत छह माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसके बाद नियुक्ति की जाएगी। प्राप्त सूचना के अनुसार, अभ्यर्थियों का चयन उनकी योग्यता के आधार पर जिला नियोजनालय परिसर में ही मौके पर किया जाएगा। रोजगार शिविर में भाग लेने के लिए जिला नियोजनालय में निबंधन अनिवार्य है। जो अभ्यर्थी अब तक निबंधित नहीं हो सके हैं, वे राष्ट्रीय कैरियर सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन निबंधन करा सकते हैं। रोजगार शिविर में प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इच्छुक आवेदिकाएं अपने बायोडाटा (परिचय-पत्र) और आधार कार्ड के साथ निर्धारित तिथि को शिविर में उपस्थित हो सकती हैं। नियुक्ति से संबंधित सभी शर्तों और नियमों के लिए नियोजक संस्था स्वयं जिम्मेदार होगी। जिला नियोजनालय की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में केवल सुविधा प्रदाता के रूप में रहेगी। यह रोजगार शिविर पूर्वाह्न 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक संचालित होगा। प्रभारी जिला नियोजन पदाधिकारी ने जिले की सभी बेरोजगार युवतियों से अपील की है कि वे इस रोजगार शिविर में भाग लेकर उपलब्ध अवसर का लाभ उठाएं।

फर्स्ट आइडिया हाउसकीपिंग एजेंसी के गलत तरीके से चयन पर विभाग सख्त, विभाग ने डीईओ को दिए कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश

केशव टाइम्स के अभियान का असर : गलत तरीके से हटाई गई सफाई एजेंसी मामले में शिक्षा विभाग सख्त

फर्स्ट आइडिया का संबंध तथाकथित माफियाओं से जुड़ते ही मामले ने पकड़ा तूल

बक्सर शिक्षा विभाग में सक्रिय दबंग व माफियाराज की खुलासे के बाद अधिकारियों में मचा हड़कंप

- केशव टाइम्स द्वारा तथाकथित माफियाओ, हाउसकीपिंग एजेंसी और विभागीय अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका की खबरों पर हो रही है चर्चा
- अजय सिंह और अरविंद सिंह के संबंध सत्ता और विपक्ष के कई स्थानीय नेताओं से जोड़े जाते तार

विभागीय अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका

राजनीतिक संरक्षण की चर्चा

अभिभावकों और छात्रों में नाराजगी

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के सरकारी विद्यालयों में साफ-सफाई के नाम पर की गई कथित मनमानी अब भारी पड़ती नजर आ रही है। केशव टाइम्स द्वारा लगातार चलाए गए अभियान और तथ्यों के साथ की गई खबरों के असर से शिक्षा विभाग को आखिरकार सख्त रुख अपनाना पड़ा है। विभाग के निदेशक (प्रशासन) मनोरंजन कुमार ने इस पूरे मामले में डीईओ को स्पष्ट और कड़े निर्देश जारी करते हुए गलत तरीके से हटाई गई एजेंसी, मनमानी से चयनित दूसरी एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई का रास्ता साफ कर दिया है।दरअसल, वर्ष 2023 के अगस्त-सितंबर में शिक्षा विभाग के स्तर से जिले के सरकारी विद्यालयों में साफ-सफाई कार्य के लिए तीन एजेंसियों का चयन किया गया था। इनमें से दो एजेंसियां कार्य करने के लिए आगे नहीं आईं, जबकि जेकेएसबी स्कील इंडिया को पांच प्रखंडों में कार्य आवंटित किया गया। एजेंसी ने नियमानुसार कार्य भी शुरू कर दिया था। इसी बीच तत्कालीन डीईओ अनिल द्विवेदी द्वारा नियमों को ताक पर रखकर तीन प्रखंडों का साफ-सफाई कार्य फर्स्ट आइडिया (या फर्स्ट इंडिया डिजिटल) हाउसकीपिंग एजेंसी को सौंप दिया गया। यह निर्णय न सिर्फ विभागीय चयन प्रक्रिया के खिलाफ था, बल्कि इसमें पारदर्शिता और नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों की भी अनदेखी की गई। यहीं से मामला तूल पकड़ने लगा। केशव टाइम्स ने फर्स्ट आइडिया एजेंसी के चयन को लेकर सवाल उठाए और तथ्यों के साथ यह उजागर किया कि किस तरह विभाग से चयनित एजेंसी को हटाकर जिला स्तर से मनमानी ढंग से दूसरी एजेंसी को काम दिया गया। यह मुद्दा धीरे-धीरे प्रशासनिक गलियारों से निकलकर राजनीतिक और जनहित का विषय बन गया। मामला दिशा की बैठक में उठा, जहां गंभीर सवाल खड़े किए गए। इसके बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों से जांच कराई गई, जिसमें कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। इसी बीच सांसद सुधाकर सिंह ने भी पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए जिलाधिकारी को जांच के लिए पत्र भेजा। डीएम ने तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर मामले की विस्तृत जांच कराई। जांच में यह स्पष्ट हो गया कि 11 नवंबर 2023 को जेकेएसबी स्कील इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा गया, जबकि उससे पहले ही 06 नवंबर 2023 को फर्स्ट आइडिया एजेंसी को सहमति पत्र जारी कर दिया गया था। यानी पहले से ही निर्णय ले लिया गया था और बाद में औपचारिकता निभाई गई। इससे पूरी प्रक्रिया की मंशा और पारदर्शिता पर सवालिया निशान लग गया। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने पूरे मामले में विभाग से मार्गदर्शन मांगा। अब शिक्षा विभाग ने जो निर्देश भेजे हैं, वे साफ तौर पर यह दशार्ते हैं कि केशव टाइम्स द्वारा चलाए गए अभियान का सीधा असर हुआ है। विभाग ने डीईओ को निर्देश दिया है कि मनमानी करने वाले अधिकारी को चिन्हित कर उसके विरुद्ध आरोप पत्र भेजा जाए। वहीं, जिस एजेंसी को गलत तरीके से कार्य दिया गया, उसके कार्य का मूल्यांकन किया जाए। यदि कार्य संतोषजनक पाया जाता है तो नियमानुसार भुगतान किया जा सकता है। विभाग द्वारा चयनित एजेंसी को नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के तहत अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए और उसके बाद स्पष्ट आदेश जारी किया जाए। शिक्षा विभाग के इस रुख से यह साफ हो गया है कि अब नियमों की अनदेखी कर लिए गए फैसलों को बचाना आसान नहीं होगा। यह मामला न सिर्फ प्रशासनिक जवाबदेही का उदाहरण बन रहा है, बल्कि यह भी दिखाता है कि जब मीडिया जिम्मेदारी के साथ सवाल उठाता है, तो व्यवस्था को जवाब देना ही पड़ता है। कुल मिलाकर, सरकारी विद्यालयों की साफ-सफाई से जुड़ा यह मामला अब एक बड़े प्रशासनिक संदेश में बदल गया है कि मनमानी नहीं चलेगी, और गलत फैसलों पर कार्रवाई तय है। इसमें सबसे अहम भूमिका केशव टाइम्स की प्रभावी पत्रकारिता की रही, जिसने इस मुद्दे को अंजाम तक पहुंचाया।

केसठ में स्कूलों में बेंच-डेस्क, सबमर्सिबल व बैग की जांच, अनियमितता के आरोपों पर प्रशासन सख्त

केटी न्यूज/केसठ

जिला पदाधिकारी के निर्देश पर गठित कमेटी द्वारा शनिवार को केसठ प्रखंड के विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बेंच-डेस्क, सबमर्सिबल पंप एवं छात्रों को वितरित स्कूल बैग की जांच की गई। जांच कार्य के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ, अंचलाधिकारी अभिषेक गर्ग तथा प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी वकील प्रसाद सिंह को नामित किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार सरकारी विद्यालयों में इन सामग्रियों की खरीद में बड़े पैमाने पर अनियमितता एवं भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। राज्य स्तर पर घटिया गुणवत्ता का सामान अधिक कीमत पर खरीदे जाने के कई मामले उजागर हुए थे, जिसके बाद शिक्षा विभाग द्वारा संबंधित आपूर्तिकताओं पर जुमार्ना भी लगाया गया है और व्यापक जांच के आदेश दिए गए हैं। यह जांच शिक्षा मंत्री के निर्देश पर कराई जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बच्चों को मानक के अनुरूप गुणवत्ता वाली सामग्री उपलब्ध हो तथा शिक्षा विभाग के करोड़ों रुपये के फंड का सही उपयोग हुआ है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार सौरभ ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशानुसार विद्यालयों में बेंच-डेस्क, सबमर्सिबल एवं बच्चों को दिए गए स्कूल बैग की गहन जांच की गई। जांच के दौरान विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए गए।

होटल के पास फायरिंग से मची सनसनी, लाइसेंसी राइफल के साथ तीन गिरफ्तार, बड़ी वारदात टली

- **कचरा उठाव ठप, मजदूरी व भुगतान की मांग पर कर्मियों का मोर्चा, प्रशासन खामोश**

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना-बक्सर एनएच-922 पर कृतसागर गांव के समीप दियारांचल होटल के पास शुक्रवार रात हुई फायरिंग की घटना ने इलाके में दहशत फैला दी। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बड़ी वारदात को होने से पहले ही विफल कर दिया। इस दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक लाइसेंसी 315 बोर राइफल, छह जिंदा कारतूस और एक खोखा बरामद किया है। थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि शुक्रवार की रात पुलिस को सूचना मिली थी कि दियारांचल होटल के आसपास फायरिंग की आवाजें आ रही हैं। सूचना के आधार पर जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो तीन युवक भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस बल की घेराबंदी में तीनों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान एक आरोपी के हाथ में छह गोलियों से लोडेड राइफल मिली, जबकि उसकी जेब से एक खोखा बरामद हुआ।

जांच में सामने आया कि बरामद राइफल पप्पू यादव के पिता के नाम से लाइसेंसी है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को आशंका है कि आरोपी किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पप्पू यादव निवासी रहथुआ गांव, थाना ब्रह्मपुर, मनोज कुमार यादव निवासी सरौरा गांव, थाना कृष्णाब्रह्म और अभिषेक कुमार पांडेय निवासी आदर्श नगर, डुमरांव के रूप में की गई है। तीनों के खिलाफ कृष्णाब्रह्म थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने शनिवार को सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। घटना के बाद से होटल और आसपास के क्षेत्र में पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि लाइसेंसी हथियार के दुरुपयोग के मामले में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कृषि प्रोद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर द्वारा डुमराव प्रखंड कृषि कार्यालय के सभागार में रवी मौसम आधारित किसान गोष्ठी का आयोजन

केटी न्यूज/डुमरांव

कृषि प्रोद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के द्वारा डुमरांव प्रखंड के ई-किसान भवन में मौसम अधारित किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल कृषि पदाधिकारी वेद प्रकाश, वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय डुमरॉव के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ डी. के. सिंह, डॉ सी. एस. प्रभाकर, स्वीटी कुमारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्रुति प्रिया, प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रक्षेत्र प्रदीप कुमार, कुशलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कृष्ण बहादुर, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक कल्याणी कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मंच कस संचालन कृषि समन्वयक मृत्युंजय मिश्रा ने किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अनुमंडल कृषि पदाधिकारी वेद प्रकाश ने किसानों को कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं यथा बीज वितरण, यंत्रीकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी, बिहार कृषि एप्प इत्यादि की विस्तार से जानकारी दी। प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्रुति प्रिया द्वारा किसानों को धान की फसल काटने के बाद बचे हुए फसल अवशेष के प्रबंधन के तौर तरीके के बताते हुए, पराली प्रबंधन के प्रबंध करने की अपील की। साथ ही साथ किसानों को जानकारी दी की यदि किसान पराली का प्रबंधन करना चाहें तो सरकार किसानों का सहयोग करते हुए फसल अवशेष प्रबंधन करने वाले यंत्र अनुदान पर प्रदान करा सकती है। इसके बाद भी किसान फसल अवशेष को जलाते हैं तो उनके खिलाफ सम्बंधित थाने में प्राथमिकी भी दर्ज किया जायेगा। कार्यक्रम में उपस्थित कुशलपुर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि कृष्ण बहादुर द्वारा भी किसानों से विभाग की योजनाओं का लाभ लेते हुए पराली के प्रबंधन करने की अपील की। सहायक तकनीकी प्रबंधक विवेकानंद उपाध्याय नें किसानों को जानकारी देते हुए बताया की किसान खेती किसानी से सम्बंधित किसी भी प्रकार के प्रशिक्षण के लिए आत्मा कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। उन्होने बताया की आत्मा द्वारा किसानों को समय-समय पर कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन इत्यादि से सम्बंधित प्रशिक्षण दिये जाते हैं, जिसका लाभ किसान उठा सकते हैं। उन्हें इस बात की जानकारी भी दी गई की प्रशिक्षित किसानों को समय-समय पर जिले के अंदर, जिले के बाहर से लेकर राज्य के बाहर तक विभागीय खर्चे पर भेजा जाता है। ऐसे में किसान नवीनतम तकनीकी सीखकर अत्याधुनिक तरीके से खेती कर सकें। कार्यक्रम में उपस्थित वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय के डॉ डी0 के0 सिंह द्वारा किसानों को आम अमरुद, केला, पपीता इत्यादि बागवानी वाली फसलों की विभिन्न बारीकियों पर विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए किसानों को खेती के साथ-साथ बागवानी करने की सलाह दी। वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर सस्य डॉ. स्वीटी कुमारी ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता को बनाये रखने हेतु समय-समय पर हरी खाद एवं दलहनी फसलों को लगाने की सलाह दी एवं किसानों से आग्रह किया की धान की पराली जलाने के बजाय खेत में ही सड़ा कर खाद बनाए, जिससे फसल को उर्वरा शक्ति मिले। साथ यह सलाह भी दिया कि मिट्टी की उर्वरता बनी रहे, एवं किसानों को अपने फसलों को विभिन्न प्रकार के रोग बीमारी से बचाने के लिए बीज उपचार करने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में कृषि समन्वयक राजीव रंजन, विजय सिंह, श्याम जी यादव, राजेश्वर कुमार किसान सलाहकार अमरेश तिवारी, हरेंद्र सिंह, मृत्युंजय सिंह,देवांनंद कुमार,दिलीप कुमार सहित काफी संख्या में विभिन्न पंचायतों से महिला एवं पुरुष किसान उपस्थित रहे।

सिमरी में विद्यालयों की जांच, टेबल-बेंच बोरिंग गुणवत्ता परख

- **जिला निर्देश पर अंचलाधिकारी ने स्कूल संसाधनों की गहन समीक्षा की**

केटी न्यूज/सिमरी

जिला प्रशासन से प्राप्त निर्देश के आलोक में सिमरी प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में शनिवार को अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडे द्वारा भौतिक संसाधनों की गुणवत्ता जांच की गई। इस निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना तथा छात्रों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना था।

निरीक्षण के दौरान अंचलाधिकारी ने विद्यालयों में लगाए गए टेबल-बेंच की मजबूती, गुणवत्ता और मानक के अनुरूपता की बारीकी से जांच की। उन्होंने यह देखा कि कहीं जर्जर या अनुपयोगी फर्नीचर तो छात्रों के उपयोग में नहीं है। जहां भी कमी पाई गई, संबंधित विद्यालय प्रबंधन को शीघ्र सुधार के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही विद्यालय परिसरों में स्थापित बोरिंग और पेयजल व्यवस्था की भी जांच की गई। अंचलाधिकारी ने बोरिंग की कार्यशीलता, पानी की उपलब्धता तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान अंचलाधिकारी ने प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों से बातचीत कर विद्यालयों में अन्य बुनियादी सुविधाओं, साफ-सफाई, शौचालयों की स्थिति और छात्रों की उपस्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विद्यालय समय-समय पर संसाधनों की स्वयं जांच करें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत प्रखंड एवं जिला प्रशासन को अवगत कराएं।

अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडे ने कहा कि निरीक्षण रिपोर्ट जिला प्रशासन को सौंप दी जाएगी, ताकि आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना से किसानों को न्यूनतम दरों पर बिजली मिलने से खुशी

केटी न्यूज/रोहतास

बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री कृषि विद्युत योजना विद्युत आपूर्ति प्रमंडल सासाराम क्षेत्र के किसानों के खेती में बड़ी उपलब्धि साबित हो रही है। इस संदर्भ में विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया की यह योजना न केवल किसानों को डीजल पंपों के महंगे और प्रदूषणकारी विकल्प से छुटकारा दिला रही है, बल्कि कृषि उत्पादन और उनकी आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा दे रही है। पहले किसानों को सिंचाई के लिए डीजल आधारित पंपों पर निर्भर रहना पड़ता था। डीजल की बढ़ती कीमतें और पंपों के रखरखाव का खर्च

किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती थी इसके अलावा, डीजल पंपों से होने वाला प्रदूषण पर्यावरण के लिए भी हानिकारक था लेकिन मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना और बिजली की उपलब्धता की फसल सिंचाई की लागत करीब 98 फीसदी तक कमी आयी है। किसानों को बिजली से चलने वाले मोटर पंप से सिंचाई करने की लागत घटकर मात्र दो रुपए प्रति घंटे रह गई है, जिससे वे खुशहाल हो रहे हैं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार इस योजना के लाभुकों को प्रति यूनिट 6 रुपए 19 पैसे का अनुदान दे रही है। किसानों का कहना है कि बिजली से चलने वाले दो हॉर्स पावर के मोटर पंप के संचालन के प्रति घंटे मात्र 3 से 4 यूनिट बिजली की खपत होती है,जो काफी किफायती है। इस योजना के लागू होने से पहले जीवाश्म ईंधन अर्थात पेट्रोल, डीजल,केरोसिन आधारित मोटर पंप से फसलों की सिंचाई करने में प्रति घंटे करीब 100 रुपये तक की लागत आती थी। लेकिन अब मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना के तहत कनेक्शन लेने के बाद किसानों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध हो रही है। राज्य सरकार से अनुदान मिलने के बाद उपभोक्ताओं को मात्र 55 पैसे प्रति यूनिट का ही भुगतान करना पड़ रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए निःशुल्क कृषि विद्युत कनेक्शन प्रदान किए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बड़ा बयान

चारा घोटाले के आरोपियों की संपत्ति होगी जब्त, स्कूल खुलेगा तो लालू प्रसाद को अच्छा लगेगा : सम्राट चौधरी

एजेंसी। पटना

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शनिवार को दीघा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा विधायक संजीव चौरसिया की ओर से आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह में कहा कि एनडीए सरकार चारा घोटाले के आरोपियों की संपत्तियों को जब्त करेगी और उन स्थानों पर स्कूल खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि सीबीआई और ईडी ने लालू प्रसाद की संपत्ति अटैच की थी। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार आरोपियों की संपत्तियों पर स्कूल खोलने की योजना बना रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में पहले भी बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों की जब्त संपत्तियों को

स्कूलों में बदला गया है, जिसमें एक पूर्व डीजीपी भी शामिल हैं। विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 नीतीश कुमार की उस प्रतिबद्धता का परिणाम था, जिसके तहत भ्रष्ट अधिकारियों की संपत्तियां जब्त कर उन्हें सार्वजनिक हित की सुविधाओं में बदला जाना था। इस अधिनियम के तहत भ्रष्टाचार के मामलों के त्वरित निपटारे और संपत्ति जब्ती के लिए विशेष न्यायाधिकरणों का प्रावधान किया गया है। मंत्री का इशारा वर्ष 2012 के उस मामले की ओर था, जब बिहार सरकार ने विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 के तहत पूर्व डीजीपी नारायण मिश्रा की संपत्ति जब्त कर उसे स्कूल में परिवर्तित किया था। इधर, एक दिन पहले भी सम्राट चौधरी ने कहा था कि संजय गांधी जैविक उद्यान के पास एक भवन है। इसमें 20 साल से ताला लगा हुआ है। इसे दुरुस्त करवा कर इसमें स्कूल खोला जाएगा। जब स्कूल खुलेगा तो आम लोगों को साथ लालू प्रसाद को भी अच्छा लगेगा। बता दें कि लालू प्रसाद चारा घोटाले के कई मामलों में दोषी ठहराए जा चुके हैं, जबकि कुछ अन्य मामलों में सुनवाई लंबित है या वे अपील के तहत हैं।

जब्त संपत्तियों को स्कूलों में बदला गया है

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में पहले भी बिहार में भ्रष्ट अधिकारियों की जब्त संपत्तियों को स्कूलों में बदला गया है, जिसमें एक पूर्व डीजीपी भी शामिल हैं। विशेष न्यायालय अधिनियम, 2009 नीतीश कुमार की उस प्रतिबद्धता का परिणाम था, जिसके तहत भ्रष्ट अधिकारियों की संपत्तियां जब्त कर उन्हें सार्वजनिक हित की सुविधाओं में बदला जाना था। इस अधिनियम के तहत भ्रष्टाचार के मामलों के त्वरित निपटारे और संपत्ति जब्ती के लिए विशेष न्यायाधिकरणों का प्रावधान किया गया है।

पुलिस मृतक युवक के पहने कपड़े और समानों से शिनाख्त में जुटी

संदिग्ध स्थिति में युवक की मौत के बाद भी अबतक नहीं हो सकी पहचान

केटी न्यूज/रोहतास

राजपुर (रोहतास) स्थानीय थाना क्षेत्र के बजार के चौक से विगत बुधवार को बरामद अज्ञात युवक के मौत के बहतर घंटे बाद भी पहचान नहीं हो पाया है। जो अज्ञात युवक की ठंड लगने से मौत की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने युवक की मृत शरीर को पहचान के लिए बहतर घंटे तक सासाराम सदर अस्पताल स्थित शितगृह में रखा हुआ है। थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार ने बताया कि लगभग नौ बजे दिन में स्थानिय पुलिस ने एक युवक को बेहोशी की हालत में बरामद किया था,जो ईलाज के लिए सदर अस्पताल जाते जाते दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि युवक कान में बाली, हाथ में घड़ी पहन हुए था। मृतक युवक के जेब से पुलिस द्वारा 10500 रुपए भी बरामद किया गया है। युवक का ठंड लगने से मृत्यु का अनुमान जताया गया है।पोस्टमार्टम हुआ है,रिपोर्ट मिलने पर सच पता चलेगा,मामले में गहन छानबीन जारी है। दूसरी तरफ पुलिस प्रशासनिक एवं सोशल मिडिया समेत सभी स्तरों पर युवक की पहचान की कोशिश कर परिजनों तक इसकी सूचना अवगत कराने में लगी है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में लोगों की समस्याओं से जुड़ी सुलहनीय वादों का हुआ समझौता

केटी न्यूज/नवादा

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेशों के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा सुश्री शिल्पी सोनीराज के मार्गदर्शन में तथा धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के सहयोग से शनिवार को 10 बजे पूर्वाह्न से व्यवहार न्यायालय, नवादा परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें पक्षकारों के बीच सुलह के आधार पर वादों का निष्पादन किया गया। मौके पर विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार,नवादा शिल्पी सोनीराज, वरीय पुलिस अधीक्षक, जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम धनंजय कुमार सिंह, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय उपेन्द्र कुमार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय एवं

अन्य जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीशगण, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी, पैनल अधिवक्ता,पारा विधिक स्वयंसेवक तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के समस्त कर्मचारीगण की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया कि लोक अदालत से कोई भी पक्षकार निराश होकर नहीं लौटता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की। वही सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने बताया कि लोक अदालत न्यायालयों के बोझ को कम करने का एक सरल एवं प्रभावी माध्यम है। इस लोक अदालत में उभय पक्षों की जीत होती है। इस अवसर पर सुलहनीय योग्य न्यायालय आधारित कुल 289 मामलों का निष्पादन किया गया, जबकि प्री-लिटिगेशन के 632 बैंक मामलों का निष्पादन किया गया। दूरसंचार के दो मामलों का निष्पादन किया गया तथा मोटर दुर्घटना वादों के तीन मामलों का भी निष्पादन किया गया।

एक नजर

आईटीआई चोरी कांड के आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

काराकाट। काराकाट पुलिस ने बाद गांव रोड स्थित आईटीआई में हुई चोरी की घटना के एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ज्ञात हो कि वर्ष 2024 में थाना क्षेत्र के बाद रोड गोडारी में स्थित मनोज आईटीआई में चोरों ने सीसीटीवी कैमरों को तोड़-फोड़कर इनवर्टर, लेनेवो व सैमसंग के सीपीयू, प्रिंटर, ड्रिलिंग मशीन, मोटर समेत बहुमूल्य सामान चुरा लिया था। इस मामले में काराकाट थाने में प्रार्थी के बयान पर कांड संख्या 561/24 दर्ज किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई तेज कर पहले ही मामले का उद्भाटन कर सामान बरामद किया और कुछ आरोपियों को पकड़ लिया था। अब नासरीगंज थाना क्षेत्र के डिहरी निवासी स्व. इमामुद्दीन शाह के पुत्र अख्तर अंसारी उर्फ अख्तर हुसैन को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस ने दो वारंटी को भेजा जेल

काराकाट। काराकाट थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि जुवेनाइल जस्टिस (किशोर) एक्ट के एक मामले में दो अभिभावकों पर नॉन-बेलेबल वारंट जारी किया गया था। सोनवर्षा गांव निवासी एक नाबालिक, पिता गया सिंह और जबकि एक अन्य दूसरा नाबालिक,पिता उपेंद्र सिंह पर यह वारंट था, जो कई दिनों से न्यायालय के समक्ष पेश नहीं हो रहे थे।किशोर न्याय बोर्ड,सासाराम द्वारा अभिभावकों पर जारी होने के बाद काराकाट पुलिस ने शनिवार को गया सिंह और उपेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर दोनों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया। पुलिस द्वारा यह कार्रवाई किशोर अधिनियम के तहत की गई है। जिसमें अभिभावकों की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाती है।

प्रखंड के 8 पंचायत में प्रधान मंत्री आवास योजना से हजारों लोगों का बनेगा घर

राजपुर। प्रखंड क्षेत्र के कुल आठ पंचायत में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3600 लोगों का नया घर बनेगा। जिसके लिए प्रखंड कार्यालय द्वारा आवास सहायक, पंचायत सचिव एवं मनरेगा पीआरएस की संयुक्त टीम का गठन किया गया है.ये संयुक्त टीम प्रतिदिन गांव में जाकर आवेदकों के वास्तविक स्थिति की जांच कर रही है। जानकारी देते हुए बीडीओ रविराज ने बताया कि पडरिया पंचायत के लिए 331,बरांव के लिए 401,बरना के लिए 861 मंगरवलिया के लिए 308,राजनडिह के लिए 270,राजपुर के लिए 427,रोतवा के लिए 435 एवं सियांवक के लिए 569 लोगों का आवास बनाये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जो पंचायतों से जांच रिपोर्ट मिलने पर बीडीओ द्वारा स्वयं जांच किया जायेगा। जिसके बाद आवेदक का नाम आवास के लिए चयन सूची में सम्मिलित कर लिया जायेगा।

आरा वालों की बल्ले-बल्ले, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का होगा ठहराव

आरा। नए साल के पहले सप्ताह में आरावासियों को ट्रेन से सफर का नया अनुभव मिलने वाला है। रेलवे पटना, आरा, दिल्ली मार्ग पर स्लीपर वंदे भारत ट्रेन शुरू करने जा रहा है। इसके साथ ही पटना से मुंबई वंदे भारत का भी प्रस्ताव दिया गया है। दोनों ट्रेनों को आरा जंक्शन पर आधिकारिक ठहराव दिया जाएगा, जिससे भोजपुर जिले के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अभी इस रूट पर एक वंदे भारत पटना से गोमतीनगर के बीच चल रही है, जिसका ठहराव आरा में दिया गया है। इसमें आरा से बुकिंग का दर भी अच्छा है। स्लीपर वंदे भारत में आधुनिक सुरक्षा तकनीक का विशेष ध्यान रखा गया है। इस ट्रेन में कवच सिस्टम लगा है, जो हादसे की आशंका होते ही ट्रेन को अपने-आप रोक देता है। सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। यात्रियों को यात्रा के दौरान ऑडियो, वीडियो में लोकेशन, अगला स्टेशन, स्टॉपेज और अन्य अपडेट मिलते रहेंगे। ट्रेन के दो कोचों को जोड़ने वाला गैंगवे पूरी तरह सील है, जिससे बाहर की धूल अंदर नहीं आती। साथ ही इसमें ऑटोमेटिक प्लग डोर लगे हैं, जो ट्रेन चलने से 10 सेकेंड पहले स्वतः बंद हो जाते हैं। इससे चोरी और छीना-झपटी की घटनाओं पर रोक लगेगी।

महुली गंगा घाट पीपा पुल पर आवागमन का इंतजार खत्म, दो पहिया वाहनों को मिली अनुमति

आरा। प्रखंड के सिन्हा थाना अंतर्गत महुली गंगा नदी घाट पर निर्मित महुली घाट सिताब दियारा पीपा पुल पर सोमवार से आवागमन शुरू होने जा रहा है। यह पुल बिहार और उत्तर प्रदेश को आपस में जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार इस पुल को आम लोगों के लिए खोलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे दोनों राज्यों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। बिहार राज्य पुल निर्माण विभाग के वरीय परियोजना अभियंता खुर्शीद आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले पीपा पुल पर दो पहिया वाहनों का परिचालन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुल के निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, और सुरक्षा से जुड़े आवश्यक परीक्षण एवं तकनीकी जांच के बाद इसे चरणबद्ध तरीके से खोला जा रहा है। सबसे पहले दो पहिया वाहनों को अनुमति दी गई है, ताकि यातायात व्यवस्था का आकलन किया जा सके।

बच्चों में शिक्षा जागरूकता को लेकर विद्यालय टीएलएम मेला कार्यक्रम का आयोजन

- **शिक्षकों के उत्कृष्ट शिक्षण कार्य से ही विद्यालय में बच्चों का संवरेगा भविष्य : प्रमोद**

केटी न्यूज/रोहतास

शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के सीआरसी उच्च माध्यमिक विद्यालय मुंजी में छात्रों को उत्कृष्ट बनाने को लेकर टीएलएम शिक्षण-अधिगम सामग्री कार्यक्रम आयोजित हुई। जिसमें प्राथमिक सहित मध्य विद्यालय के सैकड़ों बच्चों ने अपनी प्रतिभा अनुकूल भाग लिया। टीएलएम के मूल्यांकन हेतु निर्णायक मंडल में उच्च माध्यमिक के शिक्षक ज्योति प्रकाश सिंह,श्वेता,खुशबू कुमारी एवं रीमा कुमारी निर्णयक घोषणा करते हुए वर्ग 1 से 5 एवं 6 से 8 में 3-3 टीएलएम को चयनित कर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान दिया। वही 1 से 5 वर्ग में प्राथमिक

विद्यालय शाहपुर,प्राथमिक विद्यालय,डिहरा एवं प्राथमिक विद्यालय भारत कस्बा क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। जबकि वर्ग 6 से 8 में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर मध्य विद्यालय मुंजी की छात्र-छात्राएं एवं तृतीय स्थान पर कन्या मध्य विद्यालय,डिहरा गांव के बच्चें रहे। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विद्यालय प्रधानाध्यापक प्रमोद पांडेय ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षण को प्रभावी बनाते हुए टीएलएम अमूर्त विचारों को ठोस और समझने योग्य बनाना है। जिससे बच्चों के बीच शिक्षण अधिक स्पष्ट और प्रभावी होता है। इस संदर्भ में इससे कुछ मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए प्रधानाध्यापक ने बताया कि शिक्षा के प्रति बच्चों में सीखने में रुचि बढ़ाना ही शिक्षक का मुख्य उद्वेश्य होता है। जिसके तहत रंगीन,आकर्षक और इंटरैक्टिव टीएलएम छात्रों का ध्यान खींचते हैं और उनमें सीखने के प्रति उत्साह और रुचि पैदा करते हैं। जटिल विषयों को मॉडल, चार्ट या अन्य सामग्रियों की मदद से आसानी से समझाया जा सकता है, जिससे छात्रों की अवधारणात्मक समझ मजबूत होती है। साथ ही छात्रों की भागीदारी को बढ़ाते हुए टीएलएम के उपयोग से छात्र निष्क्रिय श्रोता के बजाय सक्रिय शिक्षार्थी बनते हैं। साथ ही रचनात्मकता और नवाचार के अंतर्गत शिक्षकों को नए प्रकार के टीएलएम बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे शिक्षण विधियों में रचनात्मकता और नवाचार आता है। जिससे हर छात्र को अपनी गति से सीखने में मदद मिलती है। जिसे बच्चे देखकर,सुनकर और करके सीखते हैं, तो वह ज्ञान उनके दिमाग में लंबे समय तक बना रहता है। टीएलएम कक्षा के माहौल को नीरसता से मुक्त कर मजेदार और जीवंत बनाते हैं। आयोजित कार्यक्रम के संपन्न के बाद सीआरसी संचालक और विद्यालय प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार पाण्डेय के द्वारा प्रतिभागी सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की बधाई देते हुए उन्हें पुरस्कृत किया। मौके पर मंजू देवी,अजय कुमार सिंह, शशि सिंह,अरुण सिंह, मोहम्मद सरफराज, संतोष कुमार, अरविंद कुमार, गौतम कुमार, शिव प्रताप सिंह, सलोनी शेखर आदि विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक व शिक्षिका उपस्थित रहे।

डीएम के नेतृत्व में जन्म मृत्यु पंजीकरण से जुड़े प्रशिक्षण व कार्यशाला का आयोजन

केटी न्यूज/रोहतास

जिला पदाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को डीआरडीए सभागार सासाराम में जन्म मृत्यु पंजीकरण से संबंधित जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा बताया गया कि आज के समय में जन्म की घटनाएं सरकारी अथवा निजी स्वास्थ्य संस्थानों में होती है इसलिए घर में प्रसव के उपरान्त निबंधन के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के निष्पादन से पूर्व गहनता से जांच का आदेश दिया गया। जो जन्म अथवा मृत्यु की घटना का निबंधन के पूर्व घटना की तिथि एवं स्थान का सत्यापन भी करा लिए जाने का निदेश दिया गया चुंकि जन्म और मृत्यु से संबंधित प्रमाण पत्र का विविध उपयोग किया जाता है इसलिए इसकी शुद्धता पर जोर दिया गया। बिहार में बच्चों के उम्र को कम करने के उद्देश्य से वास्तविक जन्म तिथि में एक दो वर्ष का कम कर आवेदन निबंधन कार्यालय को लभ्य कराया जाता है, जो एक सामाजिक कुरीति है। जिसमें बच्चों का कोई दोष नहीं होता है अतः ऐसे कुछ आवेदनों का रैण्डमली जाँच करने तथा कार्रवाई करने का भी निदेश सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी एवं कार्यपालक पदाधिकारी को दिया गया है। आवेदन पत्रों के साथ माता के प्रसव अवस्था के दौरान जांच कराये गये चिकित्सीय रिपोर्ट को अनिवार्य रूप से संलग्न करने का निदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा सभी रजिस्टर (जन्म और मृत्यु को शख्त हिदायत दी गई है कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी फर्जी प्रमाण पत्र निर्गत न हो मास्टर ट्रेनर सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी श्री दीपक कुमार दीपांकर एवं अक्षय कुमार दुबे द्वारा जन्म मृत्यु अधिनियम 1969 की सभी आवश्यक धाराओं के बारे में बताया। उन्होनें पंजीकरण की अनिवार्यता, विलंबित पंजीकरण की प्रक्रिया, राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर किए गए संशोधनों तथा नियमों के अनुपालन पर विस्तृत चर्चा की । जन्म - मृत्यु पंजीकरण में किसी भी प्रकार की त्रुटि को दूर करने हेतु सूचक से विलम्ब शुल्क, साक्ष्य आदि से जुड़े प्रावधानों का पालन करना आवश्यक है। साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा मृत्यु के कारणों का चिकित्सिय प्रमाणीकरण, एमसीसीडी से संबंधित जानकारी भी दी गई।

पटना मेट्रो टनल निर्माण से पहले जर्जर भवनों की जांच तेज, अप्रैल से काम शुरू

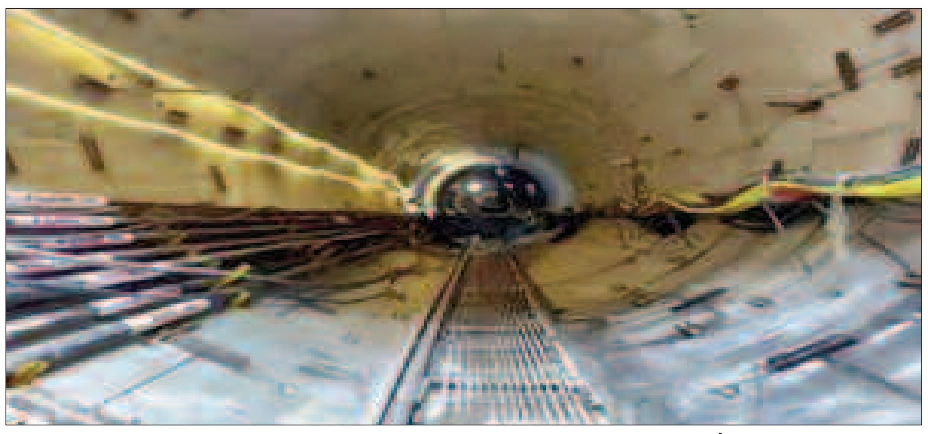

एजेंसी। पटना

पटना मेट्रो रेल परियोजना में पटना जंक्शन से रुकनपुरा तक अंडरग्राउंड टनल निर्माण का काम अप्रैल से शुरू होने वाला है। इस लंबी और संवेदनशील परियोजना के तहत 10.50 किलोमीटर लंबे इस हिस्से में आने वाले बड़े और पुराने भवनों की मजबूती की गहन जांच कराई जाएगी। अधिकारियों ने साफ किया है कि टनल निर्माण से पहले जर्जर और संवेदनशील इमारतों को सुरक्षित करना प्राथमिकता होगी, ताकि निर्माण के दौरान किसी तरह का खतरा न पैदा हो। पटना मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार, टनल मार्ग में आने वाले भवनों की जांच के लिए चयनित एजेंसी जीपीआर सर्वे कराएगी। इस सर्वे से जमीन के नीचे की स्थिति के साथ-साथ भवनों की नींव और संरचना की मजबूती का आकलन किया जाएगा। पहले चरण में पटना जंक्शन से रुकनपुरा के बीच आने वाले भवनों की जांच होगी, जबकि बाद में पाटलिपुत्र स्टेशन की ओर बनने वाली टनल के दायरे में आने वाली इमारतों का भी मूल्यांकन किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया मार्च तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। टनल निर्माण से पहले हर किलोमीटर पर मिट्टी की जांच पहले ही की जा चुकी है। अब अगला संवेदनशील चरण भवनों की मजबूती की जांच का है। जिन इमारतों को जोखिम वाली श्रेणी में रखा जाएगा, उन्हें दुरुस्त और सुरक्षित किया जाएगा। साथ ही, टनल मार्ग में आने वाली यूटिलिटी लाइनों को भी शिफ्ट किया जाएगा, ताकि निर्माण कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा न आए। पटना मेट्रो परियोजना की कुल लंबाई 31.9 किलोमीटर है और इसके लिए 13,365 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। हाल ही में राज्य कैबिनेट ने अतिरिक्त 389.77 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी है। पटना जंक्शन से रुकनपुरा के बीच टनल निर्माण शुरू होते ही परियोजना के सभी हिस्सों में काम तेजी से चलने की उम्मीद है। इस परियोजना का शिलान्यास मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 6 अक्टूबर को किया था। फिलहाल कॉरिडोर-2 में पटना विश्वविद्यालय से पीएमसीएच तक टनल का काम पूरा हो चुका है और यह गांधी मैदान की ओर बढ़ रही है। वहीं दूसरी मशीन गांधी मैदान से आकाशवाणी होकर पटना जंक्शन की ओर बढ़ रही है। कॉरिडोर-2 में अब केवल राजेंद्रनगर से मोइनुल हक स्टेडियम के बीच टनल का काम बाकी है। कॉरिडोर-1 में दानापुर से पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन तक एलिवेटेड मेट्रो और खेमनीचक से मीठापुर तक ट्रैक व स्टेशनों का निर्माण तेजी से जारी है। टनल मार्ग में कई महत्वपूर्ण भवनों की जांच पर खास ध्यान रहेगा। इनमें डाकबंगला चौराहा का लोकनायक भवन, हरि निवास, कोतवाली थाना, तारामंडल, विद्युत भवन, पटना हाईकोर्ट, बिहार म्यूजियम, पटना वीमेंस कॉलेज, सचिवालय का विकास भवन, विश्वेश्वरैया भवन और टेक्नोलॉजी भवन शामिल हैं। इसके अलावा, बेली रोड के दोनों तरफ मौजूद इमारतें भी जांच के दायरे में आएंगी। वर्तमान में पटना मेट्रो का परिचालन भूतनाथ से पाटलिपुत्र बस टर्मिनल के बीच 4.5 किलोमीटर के हिस्से में हो रहा है। इस रूट पर भूतनाथ, जीरोमाइल और पाटलिपुत्र बस टर्मिनल तीन स्टेशन हैं। शुरूआत में यहां रोजाना करीब 10 हजार यात्री सफर कर रहे थे, जो अब घटकर 900-1000 के बीच रह गए हैं। नए साल में खेमनीचक और मलाही पकड़ी स्टेशन जुड़ने के बाद यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

एक नजर

इंडिगो की उड़ानों का रद्द होने का सिलसिला जारी, पटना से 8 फ्लाइट कल कैंसिल

पटना। इंडिगो एयरलाइन के फ्लाइट ऑपरेशन अभी भी सही नहीं हो पाया है। लगातार इंडिगो का संकट जारी है। कल 14 दिसंबर दिन रविवार को इंडिगो की पटना से 8 उड़ानें रद्द कर दी गयी है। इंडिगो एयरलाइंस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कल (दिनांक 14.12.2025) की इंडिगो की उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि यात्रा से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या कस्टमर केयर से जरूर जांच लें। इंडिगो एयरलाइंस का फ्लाइट ऑपरेशन अभी भी पूरी तरह पटरी पर नहीं लौट सका है। लगातार उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में रविवार, 14 दिसंबर 2025 को पटना एयरपोर्ट से इंडिगो की कुल 8 उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रा से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या कस्टमर केयर से जरूर जांच लें। इंडिगो एयरलाइंस की ओर से जारी सूचना के अनुसार, तकनीकी और परिचालन कारणों से पटना से बेंगलुरु, कोलकाता, देवघर, दिल्ली और हैदराबाद जाने वाली कई फ्लाइट्स को कैंसिल किया गया है। अचानक हुई इस रद्दीकरण की वजह से यात्रियों को अपनी यात्रा रद्द करनी पड़ी या फिर टिकट री-शेड्यूल करानी पड़ी।

दानापुर में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, सदर बाजार मुख्य सड़क से हटाया गया अतिक्रमण

दानापुर। दानापुर छावनी परिषद इलाका अंतर्गत सदर बाजार मुख्य मार्ग पर आज प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान वर्षों से किए गए अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया गया और पक्की सीढ़ियां, झोपड़ियां, गुमटियां, होर्डिंग बोर्ड और एस्बेस्टस शीट से बने निर्माण को तोड़ा गया। जेसीबी की मदद से चलाए गये अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान तोड़ी गई झोपड़ियों और गुमटियों को ट्रैक्टर पर लादकर वहां से हटाया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस की टीम और अधिकारी-पदाधिकारी मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घंटों चले इस अभियान के बाद मुख्य सड़कें पहले से काफी चौड़ी नजर आने लगीं। लोग सड़क के किनारे अतिक्रमण कर रखे थे जिसके चलते सड़कें संकीर्ण हो गयी थी जिसके चलते हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती थी। लेकिन अब लोगों को जाम से मुक्ति मिल गयी है। शनिवार को चलाये गये अतिक्रमण हटाओ अभियान दानापुर के सदर बाजास से थाना मोड़ होते हुए इमलीतल तक चला। इस दौरान लोगों को हटाने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। प्रशासन ने इस दौरान अतिक्रमणकारियों से 12 हजार रुपये जुमार्ना के तौर पर वसूला। अंचलाधिकारी (सीओ) चंदन कुमार और नगर परिषद के नगर प्रबंधक अमरेंद्र कुमार के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया।

सीएम नीतीश कुमार ने नवगठित तीन विभागों की जिम्मेदारी बांटी

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में हाल ही में गठित तीन नए विभागों का बंटवारा कर दिया है। कैबिनेट से पास होने के बाद नवगठित इन तीनों विभागों को तीन अलग-अलग मंत्री संभालेंगे। शनिवार को मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना कर दी है। खास बात यह है कि तीन में से एक विभाग सीएम नीतीश कुमार ने खुद के पास रखी है। उन्होंने सिविल विमानन विभाग की जिम्मेदारी अपने पास यानी जदयू के खाते में रखी। वहीं शिक्षा विभाग के मंत्री सुनील कुमार को अब नवगठित उच्च शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। श्रम संसाधन विभाग देख रहे मंत्री संजय सिंह ह्यटाइगरह्व को नवगठित रोजगार एवं कौशल विकास विभाग की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। नई अधिसूचना के अनुसार, जदयू कोटे से मंत्री बने सुनील कुमार अब शिक्षा, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा के अलावा उच्च शिक्षा की कमान भी संभालेंगे। इसी तरह भाजपा कोटे से मंत्री बने संजय सिंह टाइगर श्रम संधाधन एव प्रवासी श्रमिक कल्याण के साथ युवा रोजगार एवं कौशल विकास की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसी तरह भाजपा कोटे से मंत्री बने अरुण शंकर प्रसाद पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं भाजपा कोटे से मंत्री बने सुरेंद्र मेहता डेयरी, मत्सस्य एवं पशु संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में बताया गया है कि मंत्रियों के बीच यह पुनर्विभाजन तीन नए विभागों के गठन के बाद किया गया है, ताकि प्रशासनिक कामकाज को और अधिक प्रभावी और सुचारु बनाया जा सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि अगले 5 वर्षों (2025-30) में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देना आवश्यक है और उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। साथ ही लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सघन अनुश्रवण की भी आवश्यकता होगी। इसी उद्देश्य से राज्य में तीन नए विभाग, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, नागर विमानन विभाग के गठन का निर्देश दिया गया है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के जरिए अगले 5 वर्षों में बड़ी संख्या में युवाओं को उद्यमिता के अवसर प्रदान करने और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है।

अरुण शंकर प्रसाद को दो विभागों की जिम्मेदारी

नई अधिसूचना के अनुसार, जदयू कोटे से मंत्री बने सुनील कुमार अब शिक्षा, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा के अलावा उच्च शिक्षा की कमान भी संभालेंगे। इसी तरह भाजपा कोटे से मंत्री बने संजय सिंह टाइगर श्रम संधाधन एव प्रवासी श्रमिक कल्याण के साथ युवा रोजगार एवं कौशल विकास की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसी तरह भाजपा कोटे से मंत्री बने अरुण शंकर प्रसाद पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं भाजपा कोटे से मंत्री बने सुरेंद्र मेहता डेयरी, मत्सस्य एवं पशु संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में बताया गया है कि मंत्रियों के बीच यह पुनर्विभाजन तीन नए विभागों के गठन के बाद किया गया है, ताकि प्रशासनिक कामकाज को और अधिक प्रभावी और सुचारु बनाया जा सके।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था कि अगले 5 वर्षों (2025-30) में एक करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण देना आवश्यक है और उन्हें गुणवत्तापूर्ण उच्च एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना भी जरूरी है। साथ ही लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सघन अनुश्रवण की भी आवश्यकता होगी। इसी उद्देश्य से राज्य में तीन नए विभाग, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, नागर विमानन विभाग के गठन का निर्देश दिया गया है। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के जरिए अगले 5 वर्षों में बड़ी संख्या में युवाओं को उद्यमिता के अवसर प्रदान करने और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है।

कुहासे का दिखा कहर, जगदीशपुर में एक ही सड़क पर चार वाहन टकराए, चालक समेत छह लोग हो गए घायल

एजेंसी। पटना

बिहार में मौसम ने अचानक सख्त रुख अपना लिया है। शनिवार सुबह राज्य के 10 से अधिक शहरों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कोहरे का असर सबसे ज्यादा सड़क यातायात पर देखने को मिला। कई जगहों पर विजिबिलिटी बेहद कम रही, वहीं कुछ जिलों में तो हालात ऐसे बन गए कि वाहन चालकों को कुछ मीटर आगे तक देख पाना भी मुश्किल हो गया। बेगूसराय और बक्सर जैसे जिलों में विजिबिलिटी लगभग शून्य दर्ज की गई, जिसके चलते कई बड़े सड़क हादसे हो गए। सुबह के समय घना कोहरा छाने के कारण हाईवे और फोरलेन पर वाहन रेंगते नजर आए। स्कूल जाने वाले बच्चों, दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और लंबी दूरी तय करने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर ट्रेनों की रफ्तार भी धीमी कर दी गई, जबकि बस सेवाएं भी प्रभावित रहीं। कोहरे के कारण सबसे गंभीर हादसा आरा-मोहनिया फोरलेन पर हुआ। आरा के कोइलवर पुल की ओर से छपरा मोड़ की तरफ आ रही एक तेज रफ्तार कंटेनर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। बताया जा रहा है कि घने कोहरे के कारण ड्राइवर को आगे खड़े ट्रक का अंदाजा नहीं लग पाया और कंटेनर सीधे उसमें जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कंटेनर का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद कंटेनर में ड्राइवर और क्लीनर बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इसी तरह पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल अंतर्गत मोकामा थाना क्षेत्र में फोरलेन पर कोहरे ने कहर बरपाया। यहां सुबह-सुबह दो ट्रक और एक हाइवा के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में तीनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए। इस दुर्घटना में दो चालकों के पैर टूट गए, जबकि दो खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

गलत इंजेक्शन देने से महिला मरीज की मौत हंगामे के बाद गांव छोड़कर फरार हुआ झोलाछाप

एजेंसी। सुपौल

सुपौल के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र के लतौना वार्ड 19 निपनिया में शनिवार को झोलाछाप डॉक्टर द्वारा दिए गए गलत इंजेक्शन से एक महिला की मौत हो जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतका की पहचान स्थानीय निवासी जनार्दन यादव की 45 वर्षीय पत्नी सरिता देवी के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि सरिता देवी शुक्रवार को घर में काम करने के दौरान फिसल गई थीं, जिससे उन्हें कमर में मामूली चोट लग गई थी। शुरूआत में चोट गंभीर नहीं लग रही थी,लेकिन शनिवार सुबह कमर में दर्द बढ़ जाने पर परिजनों ने पास के ही गांव के झोलाछाप डॉक्टर ललन कुमार यादव को बुलाया। डॉक्टर ने घर पहुंचकर सरिता देवी को दर्द से राहत दिलाने के नाम पर एक इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगते ही सरिता देवी की हालत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का कहना है कि इंजेक्शन के कुछ ही क्षण बाद उनके मुंह से झाग निकलने लगा और शरीर में हलचल बंद होने लगी। स्थिति बिगड़ती देख झोलाछाप डॉक्टर और परिजन आनन-फानन में उन्हें लेकर अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे। अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ उमेश कुमार मंडल ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर के अनुसार, सरिता देवी को अस्पताल लाए जाने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। जब परिजनों और वहां मौजूद झोलाछाप डॉक्टर से कारण के बारे में पूछा गया तो झोलाछाप डॉक्टर ने बताया कि जेंटामायसिन इंजेक्शन दिया था,जिसके बाद महिला की तबीयत बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि जैसे ही झोलाछाप डॉक्टर को यह एहसास हुआ कि महिला की मौत हो चुकी है,वह अस्पताल में मरीज को छोड़कर तुरंत वहां से फरार हो गया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को भी दी गई थी,परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को भी दी लेकिन पुलिस के अस्पताल पहुंचने का इंतजार किए बिना ही परिजन मृतका के शव को लेकर घर लौट गए। शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया,जिससे पूरे मामले पर कई सवाल खड़े हो गए हैं वहीं इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टरों की सक्रियता और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को उजागर कर दिया है।

दरभंगा पुलिस ने अंतरराज्यीय ज्वेलरी डकैती गिरोह का किया भंडाफोड़, सात अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। पटना

दरभंगा पुलिस ने किरतपुर थाना क्षेत्र में ज्वेलरी दुकान में हुई डकैती के मामले में ग्रामीणों की मदद से सात डकैतों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह एक राष्ट्रीय स्तर का संगठित गिरोह है, जिसके सभी सदस्य उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर के रहने वाले हैं। गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी लेने पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने पुष्टि की कि इन सभी के खिलाफ बिहार, उत्तर प्रदेश सहित कई अन्य जिलों में विभिन्न मुकदमे दर्ज हैं।दरभंगा पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से दो पिस्टल, जिंदा कारतूस और लूटे गए रुपये व कीमती सामान बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई में ग्रामीणों की सक्रिय भूमिका रही, जिन्होंने पुलिस के सहयोग से आरोपियों को पकड़ने में मदद की।पुलिस ने बताया कि यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से वारदात को अंजाम देता था। आरोपी पहले किसी जिले में कई दिनों तक रेकी करते और मौके पाकर चोरी या डकैती को अंजाम देने के बाद फरार हो जाते थे। गिरोह का नेटवर्क बिहार के लगभग हर जिले में फैला हुआ था, जबकि अन्य राज्यों में भी इनके द्वारा वारदात की जानकारी सामने आई है। जांच में खुलासा हुआ कि गिरोह द्वारा अलग-अलग जिलों से लूटी गई कीमती ज्वेलरी और नकदी को समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर स्थित एक घर में जमा किया गया था। वहां छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से एक हथियार भी बरामद हुआ। इसके बाद पूरे गिरोह का नेटवर्क उजागर हुआ।पूछताछ में गिरफ्तार सातों अपराधियों ने दरभंगा जिले में दर्ज दर्जनों चोरी और डकैती की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। विशेष रूप से जमालपुर थाना क्षेत्र के किरतपुर चौक स्थित ज्वेलरी दुकान में बीती रात हुई करीब 13 लाख रुपये की चोरी में भी इन अपराधियों का हाथ बताया गया। घटना के बाद आरोपी फरार हो रहे थे, तभी घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के दोहथा गांव में ग्रामीणों ने सतर्कता दिखाते हुए पुलिस के सहयोग से सभी को पकड़ लिया। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान लूटी गई ज्वेलरी, नकदी, दो पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह गिरोह पूरी तरह संगठित था और लंबे समय से बिहार सहित अन्य राज्यों में आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। फिलहाल पुलिस सभी गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों तथा वारदातों की जानकारी जुटा रही है।

बिहार में अगले 48 घंटे तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज, 24 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी

- **मौसम विभाग ने कहा- सावधान रहें**

एजेंसी। पटना

बिहार में अगले 48 घंटे तक बदला रहेगा मौसम का मिजाज, 24 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी बिहार मौसम सेवा केंद्र ने राज्य के मौसम को लेकर ताजा अपडेट जारी किया है, जिसमें बताया गया है कि आने वाले 48 घंटे तक प्रदेश में मौसम का मिजाज बदला रहेगा। खासतौर पर कोहरे को लेकर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम विभाग ने 14 दिसंबर तक बिहार के 24 जिलों में घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। इस दौरान सुबह और रात के समय विजिबिलिटी बेहद कम हो सकती है, जिससे सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। मौसम सेवा केंद्र के अनुसार, उत्तर और मध्य बिहार के कई हिस्सों में ठंड के साथ-साथ कोहरे का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। पछुआ हवाओं की गति कमजोर पड़ने और वातावरण में नमी बढ़ने के कारण कोहरे की स्थिति और गंभीर हो सकती है। खासकर देर रात से लेकर सुबह 9झ10 बजे तक कई इलाकों में मध्यम से घना कोहरा छाने का अनुमान है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, गोपालगंज, सारण, सीवान, मधुबनी, दरभंगा, बक्सर, भोजपुर, मुजफ्फरपुर, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, समस्तीपुर, वैशाली, पटना, गया, नालंदा, बेगूसराय, बांका और भागलपुर जिलों में कोहरे की स्थिति अधिक गंभीर रह सकती है। इन जिलों के ग्रामीण और निचले इलाकों में दृश्यता 50 से 200 मीटर तक सिमटने की संभावना है। घने कोहरे के कारण राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर वाहन चालकों को खास सावधानी बरतने की जरूरत है। सुबह के समय ट्रेनों के परिचालन पर भी असर पड़ सकता है और कई ट्रेनें देरी से चल सकती हैं। वहीं, पटना एयरपोर्ट समेत अन्य हवाई सेवाओं पर भी कोहरे का प्रभाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने वाहन चालकों को फॉग लाइट का प्रयोग करने, कम गति में वाहन चलाने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। कोहरे के साथ-साथ राज्य के न्यूनतम तापमान में भी हल्की गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि दिन के तापमान में बहुत बड़ा बदलाव नहीं होगा, लेकिन सुबह और रात के समय ठिठुरन बढ़ेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि अगले कुछ दिनों में पछुआ हवा तेज होती है तो ठंड और बढ़ सकती है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे अपनी फसलों को कोहरे से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। सब्जियों और रबी फसलों पर कोहरे का असर पड़ सकता है। वहीं आम लोगों को सुबह-शाम गर्म कपड़े पहनने, बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने तथा ठंड से जुड़ी बीमारियों से बचाव के उपाय अपनाने की जरूरत है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, 14 दिसंबर के बाद कोहरे की तीव्रता में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है, लेकिन ठंड का असर बना रह सकता है।

पुलिस जवान की सड़क हादसे में मौत, अज्ञात वाहन चालक फरार, मातम का माहौल

एजेंसी। रोहतास

रोहतास जिले के रहने वाले और सराय थाना में तैनात जवान मधुप कुमार की शनिवार को सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के छोटपुर बाईपास के समीप हुआ, जहां एक अज्ञात वाहन ने मधुप कुमार को कुचला और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। जानकारी के अनुसार, मधुप कुमार उस समय सड़क पर थे, जब एक संदिग्ध वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। घटनास्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक, हादसा उस समय हुआ जब जवान संदिग्ध वाहन का पीछा कर रहे थे। इसी दौरान दूसरी तरफ से आ रही गाड़ी से भी टक्कर हो गई, जिससे दुर्घटना और गंभीर हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया और पुलिस ने वाहन की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक सिवान ने कहा कि फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा किस वाहन से हुआ। उन्होंने आश्वस्त किया कि दोषी को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा और कानूनी कार्रवाई कठोरता से की जाएगी। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है। मधुप कुमार रोहतास जिले के निवासी थे और सराय थाना में तैनात थे। उनके परिवार में माता-पिता और भाई-बहन शामिल हैं।